तकनीकी सम्भावनाओं के रूप में नवाचार
Notes
Innovation as Technical Possibilities

पाठ्यक्रम निर्माण की प्रक्रिया के अन्तर्गत यदि नावाचार का प्रयोग किया जाय तो नवाचार के माध्यम से इस प्रक्रिया को गुणवत्तापूर्ण, वैध एवं विश्वसनीय बनाया जा सकता है। जिस प्रकार शिक्षा के क्षेत्र में नवाचारों का प्रयोग किया जाता है।

1- कम्प्यूटर एवं इण्टरनेट का प्रयोग :- पाठ्यक्रम निर्माण की प्रक्रिया में इण्टरनेट एव कम्प्यूतर का प्रयोग व्यापक है। इसके माध्यम से पाठ्यक्रम निर्माण की प्रक्रिया वैध एवं विश्वसनीय रूप से सम्पन्न हो सकते है। इसके माध्यम से पाठ्यक्रम निर्माण की प्रक्रिया सम्बन्धी व्यवस्था स्पष्ट होती है।

2. विडियो फिल्मों का प्रयोग :- पाठ्यक्रम निर्माण की प्रक्रिया मे विडियो फिल्मों का उल्लेख करना चाहिए जैसे - एक हाल कक्षा-कक्ष गतिविधियों एवं पाठ्यक्रम सहगामी क्रियाओं की गतिविधियों की विडियो फिल्म बनाकर उसे पाठ्यक्रम निर्माण के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है।

3- श्रवण यन्त्रों का प्रयोग :- पाठ्यक्रम निर्माण की प्रक्रिया श्रवण यन्त्रो का उल्लेख करना चाहिए।

Scanned with CamScanner

Notes

जैसे :- छात्रों को किसी अधिगम गतिविधि में कोई समस्या उत्पन्न हो रही हैं। शिक्षक द्वारा छात्र का समाधान मोबाइल फोन एवं अन्य गतिविधियों द्वारा किया जाता है।

विडियो कॉन्फ्रेन्स की व्यवस्था :- पाठ्यक्रम निर्माण की प्रक्रिया
विडियो कॉनफ्रेन्स की व्यवस्था किस प्रकार सम्पन्न की जा सकती है।
इसमें आकलन कर्ता एवं छात्रो के बीच में सम्पर्क होता हैं। आकलन कर्ता छात्रो के अनेक गतिविधियों को देखते हुए दिशा-निर्देशन करता है।

5. सी॰ सी॰ टी॰ वी॰ कैमरे का उपयोग :- जब छात्रों की वास्तविक गतिविधि के आधार पर पाठ्यनिर्माण करना हो तो इसका प्रयोग करना चाहिए
जैसे - छात्र वास्तविक गतिविधियों के आधार का आकलन करता हैं। और कक्षा-कक्ष में सी॰सी॰टी॰वी॰ का निर्माण करवाता है। जिससे आकलनकर्ता छात्रो के गतिविधियों का आकलन कर सके। और छात्रो की पूर्ण दक्षता, अभिरुचि एवं योग्यता का आकलन करना सम्भव हो सके।

Scanned with CamScanner

Notes

अनुप्राणन व्यवस्था का प्रयोग :- इस व्यवस्था में छात्रों की गतिविधियों एवं प्रतिक्रियाओं को देखा जाता है।

जैसे- छात्रों को जंगली जानवरों के सन्दर्भ में रुचि उत्पन्न करना जो की जंगली को कार्टून फिल्म दिखाई जाती है।

स्वआकलन की व्यवस्था :- छात्र अनेक स्तरों पर स्व आंकलन की व्यवस्था चाहता है।

जैसे कम्प्यूटर एवं इन्टरनेट की सहायता से आनलाइन आकलन करने की व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए छात्रों के विभिन्न प्रकार से प्रश्न पूछे जाते हैं। इस कार्य को छात्र कम्प्यूटर पर सम्पन्न करता है और आकलन कर्ता के पास भेजता है।

विविध प्रकार के प्रश्नो का उपयोग :- विविध प्रकार के प्रश्नों का प्रयोग भी नवाचार की श्रेणीयों में आता है।

जैसे - वर्तमान समय में वस्तुनिष्ठ प्रश्नो का प्रयोग भी नवाचारों का उत्तर छात्रों द्वारा सटीक उत्तर देना होता है। इसका उत्तर विश्वसनीय होता है।

Notes

वैज्ञानिक विधियों का प्रयोग :- नवाचारी आकलन की प्रक्रिया वैज्ञानिक आकलन विधियों का प्रयोग करना चाहिए। जैसे :- दावों की खोज, तर्क एवं परिकल्पना, की क्षमता का आकलन करना होगा। समस्याओं को प्रस्तुत करनी चाहिए

Scanned with CamScanner

राष्ट्रीय प्राथमिकताएँ और अन्तर्राष्ट्रीय सन्दर्भ :-
Notes National Priorities And International Contexts

राष्ट्रीय आकांक्षाएँ एवं आवश्यकताएँ पाठ्यचर्या का तीसरा प्रमुख आधार माना गया है। राष्ट्र की आवश्यकताओं की पूर्ति पाठ्यचर्या के द्वारा होती है। क्योंकि राष्ट्र एवं समाज की आकांक्षा की ~~आवश्यकताओं~~ की पूर्ति विद्यालय के द्वारा होती है। विद्यालय में गतिविधियों एवं पाठ्यचर्या के द्वारा निर्धारित होता है। जो निम्न लिखित है।

1- राजनीतिक दर्शन :- जिस राष्ट्र की राजनीतिक दर्शन उदारवाद पर निर्धारित होता है वहा का पाठ्यचर्या का स्वरूप उसके आधार पर निर्धारित होती है। और राष्ट्र के दार्शनिक विचार धारा को विकसित करने को होती है।
जैसे- चीन के विद्यालयों की व्यवस्था एवं पाठ्यचर्या में साम्यवादी दर्शन का झलक मिलती है। तथा भारतीय विद्यालयों की पाठ्यचर्या में आदर्शवादि एवं नैतिकता की झलक मिलती है।

2. राष्ट्र की आर्थिक स्थिति :- राष्ट्र की आर्थिक स्थिति भी पाठ्यचर्या को प्रभावित करती है। जिस राष्ट्र की आर्थिक स्थिति निम्न होती है उसकी आकांक्षा धनार्जन सम्बन्धित होती है।